A Full Comparative List of the Titles in Codex Bezae

Table 1: A comparison of the *titloi* in Matthew as found in Codex Bezae and Later Complete Systems. (Titles unique to Codex Bezae are highlighted by shading. Titles with distinctive wording are highlighted in a bold font.)

| Modern | Keph. | Titloi (koine after Von Soden) English | Titles inserted by Hand M ¹ , |
|--------|-------|--|---|
| | | translations our own | with folia numbers indicated |
| (2:1) | α΄ | π. των μαγων | (3v illegible writing in the top margin; |
| | | concerning the magi | 4v. τον μαγον added [by Hand M?] |
| | | | supralinearly at 2:13, then deleted with |
| | | | line.) |
| 9:37 | _ | | 28ν [περι] του θερισμου και τον |
| | | | αποστολον |
| | | | [concerning] the harvest and the apostles |
| 10:1 | ιθ΄ | π. της των αποστολων διαταγης | See previous <i>titlos</i> |
| | | concerning the decree of the apostles | |
| 11:16 | _ | | 33ν]ης γενεας ωμυα εστιν πεδυς |
| | | | [the] generation is like children |
| 12:1 | _ | | 34ν [.]κε[.]απο[] οικ επ[|
| | | | σ]πορϊμου εν σαβασιν |
| | | | cornfield on the Sabbath ¹ |
| 12:9 | κα΄ | π. του ξηραν εχοντος (την) χειρα | 35ν [περι του] ζιραν εχοντος χιραν |
| | | concerning the man with the withered | [concerning the] man with a withered |
| | | hand | hand |
| 12:28 | _ | | 37ν [περι της] βασιλιας του θυ |
| | | | [concerning the] kingdom of God |
| 12:38 | κγ΄ | π. των αιτουντων σημειον | 38ν [περι] τον γραματεον και φαρισεον |
| | | concerning the request for a sign | [concerning] the scribes and Pharisees |
| 13:3 | κδ΄ | π. των. παραβολων | 39ν παραβολις ε το πλυον ² |
| | | concerning the parables | parables (from?) the boat |
| 13:24 | _ | | 42ν [αλλην] παραβολιν παρεθϊκεν αυτυς |
| | | | λεγον η βασιλϊα τον ωρανον ανθροποι |
| | | | σπιροντι ³ |
| | | | He put before them [another] parable |
| | | | saying, "the kingdom of heaven (may be |
| | | | compared) to a person who was sowing" |
| 13:31 | _ | | 43ν [αλ]λιν παραβολιν περι κον |
| | | | σιναπεος4 |

_

 $^{^{1}}$ Harris, Annotators, 42, transcribes: εκεινω [καιρω] επ[ορευθη] δια του [σ]πορϊμου εν σαβασιν. The first half of Harris's transcription looks impossible to us.

 $^{^2}$ παραβολαῖς from 13:3, and εἰς τὸ πλοῖον from 13:2, where Codex Bezae reads εις το πλοιον (with K Γ Δ f^{13} 565. 579 M); cf. 14:22 (εἰς τὴν θάλασσαν). Harris, *Annotators*, 42: παραβολις ε [? εκ] το πλυο.

³ The *tau* is followed by a cross which we interpret as an *iota* (cf. 20:1), i.e., ἀνθρώπω σπείροντι; D attests to this phrase in 13:24.

phrase in 13:24.
⁴ κον σιναπεος = κόκκου σινάπεως. The words from 13:31 are from fol. 42v. The latter part of the parable takes up the first four lines on fol. 43v.

| | | | another parable concerning a mustard seed |
|-------|-----|--|--|
| 14:1 | κε΄ | π. Ιωαννου και Ηρωδου concerning John and Herod | 45v [ηρω]δου του βασιλεως [concerning] Herod the King |
| 14:15 | κς΄ | π. των πεντε αρτων και των δυω εχθυων concerning the five loaves and the two fish | 47v [περι των] πετε αρτον ⁵ [concerning the] five loaves |
| 14:22 | κζ΄ | π. του εν θαλασση περιπατου conncerning the walk on the sea | 48v [περι π]ερϊπατουντος ις τιν θα[λασσαν] ⁶ [concerning] the walking on the sea |
| 15:1 | κη΄ | π. της παραβασεως της εντολης του θεου concerning the breaking of the commandment of God | 49v [περι των] φαρϊσεον [concerning the] Pharisees |
| 15:22 | κθ΄ | π. της Χαναναιας concerning the Canaanite woman | 50v erased title? |
| 15:32 | λα΄ | π. των επτα αρτων concerning the seven loaves | 51v [περι των] ζ αρτον [concerning the] seven loaves |
| 16:3 | λβ΄ | π. της ζυμης των φαρισαιων concerning the yeast of the Pharisees | 52v [περι] τον φαρισεον ⁷ [concerning] the Phar isees |
| 16:13 | λγ΄ | π. της εν Καισαρεια επερωτησεως concerning the question about Caesar | 53ν <u>τις</u> τινα με λεγοσιν ανθροποι ⁸ Who do the people say I am? |
| 17:1 | λδ΄ | π. της μεταμορφωσεως του Ιησου (/omit του Ιησου) concerning the transfiguration of Jesus | 55v [περι της με]ταμορφοσεος ⁹ [concerning the] transfiguration |
| 17:14 | λε΄ | π. του σεληνιαζομενου concerning the moonstruck | 56ν [περι του σεληνια]ζο[με]ν[ου] ¹⁰ [concerning the] moonstruck |
| 18:1 | λζ΄ | π. των λεγοντων τις μειζων concerning the discourse about who is the greatest | 57ν των μαθετε λεγουν μαθητ αρα τις μϊζον concerning the disciples saying disciple(s) "who is the greatest? |
| 18:12 | λη΄ | π. των εκατον προβατων παραβολη concerning the parable of each of the one hundred sheep | 59v [περι] τον ρ προβατον ¹¹ [concerning] the one hundred sheep |
| 18:23 | λθ΄ | π. του οφειλοντος (τα) μυρια ταλαντα concerning the thousand talent obligation | 60v πο βασιλως ηθελισεν συναριν λογον μετα τον δολον αυτον ¹² a king who wanted to settle an account with his slave |
| 19:3 | μ´ | π. των επερωτησαντων ει εξεστιν απολυσαι την γυναικα concerning the question if it is lawful to divorce a wife | 61v [περι ανδρ]ος και γυνεκος ¹³ [concerning a] husband and α wife |

⁵ The pericope commences in 14:15 on fol. 46v.

 $^{^{6}}$ = περὶ (Ἰησοῦ) περιπατούντος εἰς τὴν θάλασσαν. The pericope commences in 14:22 on fol. 47v.

⁷ Alternatively περὶ [τῆς ζὺμης] τῶν Φαρισαίων. There seems to be a trace of a π (περι) followed by a blank space before τον φαρισεον but the first part of this *titlos* is practically illegible.

⁸ The first part of the *titlos* is illegible. Excluded by Harris, *Annotators*, 42.

⁹ In the left margin, hand L (550–600 CE) added μεταιμορφος ανναγνοσμα (which may have been present before the *titlos* was added). Hand L and M¹ are likely contemporary. For discussions of the secondary hands, see Parker, *Codex Bezae*, 35–49 and Knust and Wasserman, *To Cast*, 272–78.

¹⁰ Excluded by Scrivener, *Bezae*, 451 and Harris, *Annotators*, 42.

^{11 =} περὶ τῶν ρ΄ προβάτων.

¹² Possibly ἀνθρώπω βασιλεῖ ὅς (18:23) . . . was intended. V. 23 has συνᾶραι (aor.) but note συναίρειν (pr.) in v. 24.

¹³ περὶ ἀνδρὸς καὶ γυναικός? Codex D uniquely attests to ἀνδρός in 19:10 (but ἀνθρώπω in 19:3).

| 19:13 | - | | 63v [περι των νη]πιού τον προσενεεκθεντο τω κ[ω] +14 [concerning the] infants who were being brought to the Lord |
|-------|-----|---|--|
| 20:1 | μβ΄ | π. των μισθουμενων εργατων concerning the laborers wages | 64v [περι του α]νπελονος παραβολι ¹⁵ [concerning the] parable of the vineyard |
| 20:20 | μγ΄ | π. των υιων Ζεβεδαιου concerning the sons of Zebedee | 66ν [περι των] ιβ αποστολον και τον υων ζεβεδεον ¹⁶ [concerning the] twelve apostles and the sons of Zebedee |
| 20:29 | μδ΄ | π. των δυο τυφλων concerning the two blind men | 67v [περι των] β τυφλον [concerning the] two blind men |
| 21:8? | - | | 68v [περι των] β[αι]ον ¹⁷ [concerning the] branches |
| 21:23 | μη΄ | π. των επερωτησαντων τον κυριον (/omit τον κυριον) αρχιερεων και πρεσβυτερων concerning the high priests and elders who questioned the Lord | 70v [περι τω]ν εροτισαντον εν πυα εξουσηα ταυτα πυις ¹⁸ [concerning] those who asked, "by what authority are you doing these things?" |
| 21:28 | μθ΄ | π. των δυο υιων παραβολη concerning the parable of the two sons | 71v [περι του α]νπελονος τον β τεεκνον ¹⁹ [concerning the] vineyard of the two sons |
| 22:1 | να΄ | π. των καλουμενων εις τους γαμους (/τον γαμον) concerning those who were called to the wedding | 73ν καλεσαντες τους κεκλϊκοτας + [those who] called those who had been invited |
| 22:34 | νδ΄ | π. του επερωτησαντος νομικου concerning the question of the lawyer | 75ν κ πιραζον αυτόν και λεγον πυα εντολι + ²⁰ testing him and saying "which commandment?" |

. .

¹⁴ This pericope is located on folio 62v.

¹⁵ The final *iota* has the form of a cross (cf. 13:24).

¹⁶ The twelve apostles are referred to in 20:17 (and reappear in vv. 24–28).

¹⁷ Cf. John 12:12–13. The *titlos* περὶ τῶν βαΐων καὶ τῶν νηπίων is attested in Laur. V.23 at John 12:12.

¹⁸ Harris, *Annotators*, 43: [περ]ι ερωτισαντον, κτλ.

¹⁹ As Scrivener, *Bezae*, 451, notes, the second *epsilon* in τεεκνον has been marked for deletion. The pericope commences on fol. 70v. Matthew uses τέκνον for "son" in this parable whereas Luke uses υἰός (15:11).

²⁰ Possibly ε κπιραζον or τ]ις πιραζον (νομικός τις is attested in F G H). D reads καὶ λέγων with the Majority text.

Table 2: A comparison of the *titloi* in Luke as found in Codex Bezae and Later Complete Systems. (Titles unique to Codex Bezae are highlighted by shading. Titles with distinctive wording are highlighted in a bold font.)

| Modern | Keph. | Titloi (koine after Von Soden) | Titloi inserted by M ² , folia numbers |
|--------|-------|--|---|
| | | | indicated |
| 1:26 | _ | | 184ν + περϊ τις παρθενου |
| | | | concerning the virgin |
| 2:25 | γ΄ | π. (του) Συμεων | 190ν περι συμεων και αν[να]ς τις |
| | | concerning Simeon | $προφιτιδο[ς]^{21}$ |
| | | | concerning Simeon and Anna, the |
| | | | prophetess |
| 2:36 | δ΄ | π. Αννας της προφητειδος | see previous <i>titlos</i> |
| | | concerning Anna the Prophetess | |
| 2:41 | _ | | 191ν περι του κῦ τις πεδηας ϊω |
| | | | [γ]ενομενος ²² |
| | | | concerning the Lord's teaching when he |
| | | | was in the Temple (?) |
| 3:1 | ε΄ | π. του γενομενου ρηματος προς Ιωαννην | 192ν περι ιωαννου το βαπτιστου ετι |
| | | concerning the events that happened to | πεντεκαιδεκατ(ω) |
| | | John | concerning John the Baptist in the |
| | | | fifteenth (year) |
| 3:19? | _ | | 194ν περι ηροδο [και?] του Ιωννου ²³ |
| | | | concerning Herod (and?) John |
| 4:1 | ζ′ | π. του πειρασμου του σωτηρος | 197ν περι ις πιρασθεις υπ[ο] τ[ου] πς |
| | | concerning the savior's temptation | [12-14] ²⁴ |
| | | | concerning Jesus being tempted by the |
| | | | spirit |
| 4:38 | θ΄ | π. της πενθερας Πετρου | 200ν [περι] τις π[ενθερας] [π]ετρου ου |
| | | concerning Peter's mother-in-law | $\chi \rho [1] vov^{25}$ |
| | | | concerning Peter's mother-in-law |
| 5:18 | ιγ΄ | π. του παραλυτικου | 202ν περι το παραλυτικου |
| | ' | concerning the paralytic | concerning the paralytic |
| 5:27 | ιδ΄ | π. Λευι του τελωνου | 204ν [περι] του τυφολου το λευγιτο 26 |
| | | concerning Levi the tax-collector | |

²¹ Harris, Annotators, 43: περι συμεων και ας (sic) τις προφιτιδο; D. C. Parker and H. A. G. Houghton, A Transcription of the Greek pages of Codex Bezae Cantabrigiensis (2016) (online: http://epapers.bham.ac.uk/2167/1/Bezae%2DGreek.xml and https://cudl.lib.cam.ac.uk/view/MS-NN-00002-00041/1) transcribe: $\pi(\epsilon)\rho(\iota)$ συμεων κ(αι) τις προφιτιδο. There seems to be a trace of a nu written above α where the upper margin has been trimmed [thus αννας assuming there were several letters]. In the left margin at 2:25, another scribe added συμεων enclosed between staurograms. The new section in 2:36 (on fol. 191v) about Anna is marked by ekthesis in the text.

 $^{^{22}}$ = per tou kū the paidelas ieræ (?) genoménos

²³ A cross seems to have been deleted after π ερί. There is possibly an s-shaped και-kompendium written above του, which would make good sense. Harris, *Annotators*, 43: π ερι του ηροδο το^{ου} [sic] ω ανν^{ου.} Note the *titloi* "concerning John and Herod" in Matt 14:1 (κε') and Mark 6:14 (ιε').

²⁴ Parker and Houghton: $\pi(\epsilon)\rho(\iota)$ ις πρασθεις υπ[ο] τ [ου] πς ν[...]; Harris, *Annotators*, 43: περι ις πιρασθεις. Note that Codex Bezae reads σατανα in 4:2.

²⁵ This pericope starts on 201v. Parker and Houghton: τις [...] σ (ου) του χυ σ (v); Harris, *Annotators*, 43: [περι] τις αγρας τον ιχθυον (this transcription seems impossible); Apart from τις our transcription is highly uncertain.

²⁶ The scribe has mistaken τελωνου for τυφλου and confused the name Λευι (spelled Λευει in Bezae). The definite article likely followed the name in the exemplar.

| | | | [concerning] the blind man, the Levite (or Levi?) |
|-------|-----|---|---|
| 6:1 | _ | | 205ν περι δαυγι ωτε ισηλθεν εν το θυσιαστιρηο και φαγιν τος αρτος τις προθεσεος ²⁷ concerning David when he went into the (place of) the altar and ate the bread of the presence |
| 6:13 | 15' | π. της των αποστολων εκλογης concerning the choosing of the apostles | 206ν περι τον μαθιτον αυτου concerning his disciples |
| 12:16 | μς΄ | π. ου ηυφορησεν (ευφ-) η χωρα πλουσιου concerning the productive land of a rich man | 236v + περι πολοσιου ²⁸ concerning a rich man |
| 16:19 | νθ΄ | π. του πλουσιου και Λαζαρου concerning the rich man and Lazarus | 252ν περι πλουσου και λαζαρου +29 concerning the rich man and Lazarus |
| 18:18 | ξγ΄ | π. του επερωτησαντος αυτον (Ιησουν) πλουσιου concerning the rich man who questioned him | 257ν περι επεροτισεος αρχοντος και του ζαχεου ³⁰ concerning the ruler who questioned and (concerning) Zacchaeus |
| 19:1 | ξε΄ | π. (του) Ζακχαιου concerning Zacchaeus | See previous titlos. |

²⁷ Parker and Houghton divide the word θυσιαστηριον into two words (θυσιας τιρηο).

²⁸ This *titlos* is written in the left margin near the bottom of the page, where 12:16 commences. There are two horizontal bars in π ολοσιου.

²⁹ This *titlos* is located in the left margin.

³⁰ This *titlos* combines two *titloi* in the standard system (18:18, 19:1). Note that the *titloi* in the parallels (Matthew 18:18 and Mark 10:17) have the same wording as in Luke in the standard system. Perhaps M² harmonized his source to v. 18, or the source preserves an older unharmonized title.

Table 3: A comparison of the titloi in John as found in Codex Bezae and Later Complete Systems. (Titles unique to Codex Bezae are highlighted by shading. Titles with distinctive wording are highlighted in a bold font.)

| Modern | Keph. | Titloi (koine after Von Soden) | Titloi inserted by M ² , folia numbers indicated |
|--------|----------------|---|---|
| 4:5 | ε΄ | π. της Ζαμαρειτιδος concerning the Samaritan woman | 114v [περι] της σαμαρητιδος [concerning] the Samaritan woman |
| 4:35 | | concerning the sumarran weman | 116v [π]ερι του θερισμου concerning the harvest |
| 4:46 | S ['] | π. του βασιλικου concerning the official | 117v [περ]ι του βασιλησκου ³¹ concerning the official |
| 5:5 | ζ | π. του τριακοντα (και) οκτω ετη εχοντος εν τη ασθενεια concerning the man who had an infirmity for thirty-eight years | 118v [πε]ρι του παραλυτυκου concerning the paralytic |
| 6:6 | η΄ | π. των πεντε αρτων και των δυο ιχθυων concerning the five loaves and the two fish | 122v [πε]ρι τον πεντε αρτον concerning the five loaves |
| 6:19 | θ΄ | π. του εν θαλασση περιπατου concerning the walk on the sea | 124v [π]ερι του περιπατουντος εν τι θαλασι concerning the walk on the sea |
| 6:60 | | | 128v []ι σκληρος εστιν ο λογο[ς] ³² the saying is difficult |
| 7:2 | | | 129v [περι] της ισκηνοπυηας ³³ concerning the Tabernacles |
| 9:1 | ι΄ | π. του εκ γενετης τυφλου concerning the blind man | 138v [περ]ι του τυφλου concerning the Blind Man |
| 11:1 | ια΄ | π. (του) Λαζαρου concerning Lazarus | 145v [πε]ρι του λαζαρου concerning Lazarus |

³¹ Codex Bezae has the unique spelling βασιλισκος in 4:46. Harris, *Annotators*, 44n1, thinks the scribe may have harmonized this *titlos* to the text.

The first word may have been a περί. A second line is left undeciphered here.
 Harris takes the presence of the iota "to s impurum" here (ἰσκηνοπυήα for σκηνοπηγία) as a clue to the dialect of those who used the codex, "a question between a possible Greek dialect and a Gallicism" (Annotators, 44).